1

वीणावादिनि वर दे!

प्रस्तुत कविता के रचयिता क्रांतिकारी कवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' जी हैं। उन्होंने इस कविता में माँ सरस्वती से विश्वभर के लिए दुःखों, भेदभाव और अज्ञानता से मुक्ति के साथ-साथ ज्ञान और प्रगति का वरदान माँगा है।

वर दे, वीणावादिनि वर दे!
प्रिय स्वतंत्र रव, अमृत मंत्र नव
भारत में भर दे।

काट अंध-उर के बंधन-स्तर,
बहा जननि ज्योतिर्मय निर्झर,
कलुष भेद, तम हर, प्रकाश भर,
जगमग जग कर दे।

नव गति, नव लय, ताल-छंद नव,
नवल कंठ, नव जलद-मंद्र रव,
नव नभ के नव विहगवृंद को,
नव पर नव स्वर दे।

वर दे, वीणावादिनि वर दे!

—सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

शिक्षा हमें विश्व के कल्याण के लिए भगवान से प्रार्थना करनी चाहिए।

शब्द-पोटली

वीणावादिनि – विद्या की देवी, सरस्वती। रव – ध्वनि। नव – नया। अमृत-मंत्र – ऐसा मंत्र जो अमरता प्रदान करे। अंध-उर – अज्ञानता के अंधकार से पूर्ण हृदय। बंधन-स्तर – अनेक बंधनों की परतें। ज्योतिर्मय निर्झर – ज्ञान के प्रकाश का झरना। कलुष – मलिनता, पाप। पर – पंख। स्वर – ध्वनि।

अभ्यास

संकलित मूल्यांकन

पाठ बोध

(क) दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर के सामने ✓ लगाइए:

1. कवि प्रार्थना कर रहा है–

सरस्वती से	☐	दुर्गा से	☐	पार्वती से	☐	लक्ष्मी जी से	☐

2. 'रव' का अर्थ है–

रवा	☐	ध्वनि	☐	भगवान	☐	रेत	☐

3. 'नव' का अर्थ है–

नौ	☐	आठ	☐	नया	☐	पुराना	☐

4. 'कलुष' का अर्थ है–

कृष्णा	☐	कलश	☐	कलुआ	☐	मलिनता	☐

5. 'पर' का अर्थ है–

परसों	☐	पंख	☐	पराया	☐	अपना	☐

6. 'तम' का अर्थ है–

तमतमाना	☐	प्रकाश	☐	अंधकार	☐	सूर्योदय	☐

(ख) निम्नलिखित पंक्तियों का ससंदर्भ भावार्थ लिखिए:

काट अंध-उर के बंधन-स्तर,
बहा जननि ज्योतिर्मय निर्झर,
कलुष-भेद, तम हर, प्रकाश भर,
जगमग जग कर दे।

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

1. कवि ने सरस्वती से भारत के लिए क्या वरदान माँगा है?
2. कवि ने पूरी दुनिया और मानव समाज के लिए क्या वरदान माँगा है?
3. कवि ने माँ सरस्वती से किस प्रकार के बंधन काटने की विनती की है?

भाषा बोध

(घ) निम्नलिखित शब्दों के विलोमार्थी लिखिए:

वरदान ×	_____	देना ×	_____	स्वतंत्र ×	_____
अमृत ×	_____	नव ×	_____	बंधन ×	_____

(ङ) निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए:

1. वीणावादिनि – _____
2. प्रिय – _____
3. मंत्र – _____
4. भारत – _____
5. तम – _____
6. जगमग – _____

रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक अभ्यास

- निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए तथा लिखिए:

वीणा-वादिनि	स्वतंत्र	अमृत	ज्योतिर्मय	निर्झर
_____	_____	_____	_____	_____

चित्रात्मक कार्य

- नीचे दिए गए चित्र में उचित रंग भरिए:

मूल्यपरक प्रश्न (VBQ)

- आप माँ सरस्वती से प्रार्थना क्यों किया करते हैं? उनसे आपको क्या प्राप्त होता है?

जीवन कौशल (Life SKill)

- हमें प्रातःकाल स्नान करके मंदिर जाना चाहिए और अपने साथ-साथ संपूर्ण विश्व की कुशलता एवं संपन्नता के लिए भगवान से प्रार्थना करनी चाहिए।